चर्चा

कमिश्नर ने मंगल ग्रामों के सरपंच, सचिव और रोजगार सहायकों से किया संवाद

भौतिक कुशलता के साथ आंतरिक कुशलता जरूरी : दुबे

भास्कर न्यूज | छतरपुर

सागर कमिश्नर मनोहर दुबे ने कहा है कि दुनिया भर में पिछले एक शताब्दी में बहुत ज्यादा उन्नति के साथ-साथ साधन भी बड़े हैं, पर पहले की तुलना में व्यक्ति के जीवन में झगड़े, अपराध और तनावों की बेतहासा वृद्धि हुई है। इन सभी से निजात दिलाने के मकसद से अल्पविराम का कार्य हाथ में लिया गया है। दुबे गुरुवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में मंगल ग्राम संवाद में अल्पविराम की अवधारणा को बता रहे थे।

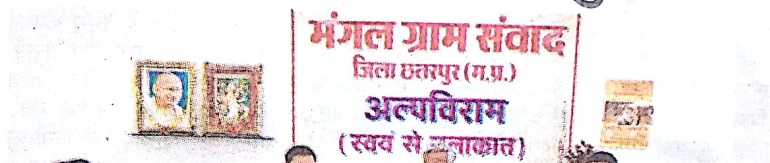

रुचिकर कार्य ही करता है व्यक्ति

कमिश्नर दुबे ने बताया कि व्यक्ति के परिपूर्ण जीवन में भौतिक कुशलता के साथ-साथ आंतरिक कुशलता भी समान रूप से जरूरी है। अक्सर ऐसा देखा गया है कि आम व्यक्ति अंतर्मन की बजाय सुविधा के आधार पर निर्णय करता है, जिसके फलस्वरूप स्वयं के जीवन में और समाज में तनाव के लक्षण दिख रहे हैं। दुबे ने अल्पविराम में शामिल हुए छतरपुर जिले की 11 मंगल ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव और रोजगार सहायकों को अल्पविराम की विशेषताओं को साझा करते हुए बताया कि अल्पविराम का इस मिशन का वास्ता सरकारी कार्यक्रम से न होकर शुद्ध रूप से व्यक्तिगत है। एक व्यक्ति को अपने स्वयं से प्रश्न, चिंतन मनन कराता है कि क्या सही है, क्या गलत है। अच्छा-बुरा करने वाले व्यक्ति को स्वयं पता रहता है कि उसके द्वारा किए जाने वाला कार्य अच्छा या बुरा है, पर करता वही है जो रुचिकर लगता है। बिना सोच-समझे किए गए कार्यों का परिणाम भयावह होता है पर अंतर्मन से विचार करने से इन सभी से छुटकारा मिल सकता है। इन सभी पहलुओं को आज के सत्र में मास्टर ट्रेनर और टीम के अन्य सदस्यों द्वारा साझा किया जाएगा। जिला पंचायत सीईओ हर्ष दीक्षित ने अपेक्षा की कि इस कार्यक्रम में शामिल ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक यहां से सीखकर अपनी-अपनी ग्राम पंचायतों के ग्रामों में इस मिशन का विस्तार करेंगे।

अनुभवों को किया साझा

अल्पविराम के मास्टर ट्रेनर लखन असाटी ने बताया कि उनके दल द्वारा पिछले तीन दिनों में देरी, पठापुर और ललौनी में अल्पविराम का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें ग्रामीणजनों द्वारा सक्रिय रूप से भागीदारी करने के साथ ही उत्साहजनक परिणाम मिले हैं। ग्राम पंचायत के कौशलेन्द्र सिंह चंदेल ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि अल्पविराम की वजह से ही उनके जीवन में बदलाव आया है। अपर कलेक्टर डीके मौर्य और एसडीएम कमलेश पुरी भी मौजूद थे। इसके पहले सागर कमिश्नर मनोहर दुबे ने बुधवार की रात्रि में सर्किट हाउस में स्वैच्छिक संस्थाओं, डॉक्टर, समाजसेवी के समूह से अल्पविराम की गतिविधियों से रूबरू कराया। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम खुद को स्वयं से जुड़ना बताता है, फिर समूह और ग्राम से जुड़ा जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पहले व्यक्ति को स्वयं का विकास करना चाहिए और स्वयं सुखी रहने के लिए आसपास के सभी लोग खुश रहें।

Scanned by CamScanner